

ment informing us about the situation. Because, we are receiving very alarming news; people have been attacked; they have been wounded. They are on their death-bed. The Minister in charge should make a statement so that we can at least know the latest position.

**MR. SPEAKER:** You please write to me. I will ask the Minister to come with a statement.

**SHRI SYED AHMED AGA** (Bara-mulla). The agreement which has been entered into between India and Pakistan is a historic achievement. The Lok Sabha will not be doing justice to it if it does not discuss it. There may be other issues before us, but they are not so very important. As regards the no-confidence motion, this has been coming all these years and I have seen the fate of these motions. That can wait, but this can not. It is a historic achievement and we should discuss it.

**SHRI PILOO MODY** Achievement? They should have done it a year ago. Why did they not do it a year ago?

RE ALLEGED PRINTING OF  
 POSTERS BY DAVP FOR DELHI  
 UNIVERSITY STUDENTS UNION  
 ELECTIONS

श्री फूल चंद वर्मा (उज्जैन) अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने की अनुमति दी है। विजिनेम एडवाइजरी कमेटी के निर्णय के अनुसार आप कालिय एडवेंसन्स नोटिस एक्सप्ट नहीं करते हैं। इसलिए मैंने इस मामले के सम्बन्ध में नियम 377 के मातहत नोटिस दिया था।

हाल ही में दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्र यूनियनों के जो चुनाव हुए हैं, उन में डायरेक्टर आफ आडियो-विजुअल पब्लिसिटी के काग्रेस के उम्मीदवारों के लिए पांच लाख रुपये के पोस्टर छापाये। यह बड़ा गम्भीर

साइल है कि केन्द्रीय सरकार इस प्रकार छात्रों के चुनावों में डायरेक्टर इस्तेमाल कर रही है। काग्रेस के लोग चाहते थे कि ये चुनाव निष्पक्ष न हों उनके इशारे पर इस डायरेक्टरेट ने इतना खर्चा कर के, प्रजातांत्रिक ढंग से जो चुनाव हो रहे थे, उन में बाधा डाली है। (अवधान)

कल 31 अगस्त को शिक्षक सच के चुनाव होने जा रहे हैं। उस के संबंध में भी डायरेक्टर आफ आडियो-विजुअल पब्लिसिटी के द्वारा दसों प्रकार के पोस्टर छपवा कर काफी मात्रा में वितरित किये जा रहे हैं। मैं निवेदन करना चाहता हूँ कि इस तरह की परम्परा को रोकना चाहिए। इस में प्रजातंत्र को खतरा है। जहाँ तक सरकार का मवाल है वह एक नियरमी और भ्रष्ट सरकार है। यह अपने राजनैतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हर प्रकार के खतरा हथकण्डे अपना रही है। मेरी मांग है कि इस मामले का डी जांच होनी चाहिए। (अवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर) अध्यक्ष महोदय, जो मामला मैं उठाना चाहता हूँ, वह इस सदन की कार्यवाही से भी संबंधित है और बाहर से भी। भारत और पाकिस्तान में जो समझौता हुआ है, उस की एक प्रति सदन की मेज पर रखी गई, लेकिन उसके हिन्दी अनुवाद के काफी नहीं रखी गई। इस के अतिरिक्त देश में हिन्दी के जो इतने अखबार निकलते हैं, उन्हें भी समझौते का हिन्दी अनुवाद उपलब्ध नहीं कराया गया। सरकार के खास चीवीस घटे थे। इस समय में वह समझौते का हिन्दी अनुवाद कर सकती थी। उस को समझौते का हिन्दी अनुवाद कल छ बजे हिन्दी के अखबारों को देना चाहिए था।

**श्री बटल बिहारी बाजपेयी :** उन्होंने इंगलिश में साइन किया और मिनिस्टर, साहसिकी ऐसे ही रख दिया।

**श्री बटल बिहारी बाजपेयी :** इस समय हिन्दी और अंग्रेजी दोनों हमारी राज्य भाषाएँ हैं। जो भी कागज सदन की मेज पर रखा जाता है, उस के हिन्दी और अंग्रेजी दोनों सम्करण रख जाते हैं। कल मन्त्रो महोदय ने समझौते का हिन्दी सम्करण मेज पर नहीं रखा। हिन्दी के प्रेम को भी समझौते का हिन्दी अनुवाद नहीं दिया गया। इस का परिणाम यह होता है कि हिन्दी प्रैस मिठड जाता है और अंग्रेजी के अखबार पहले समाचार दे देते हैं। (ध्यक्षमान) हिन्दी की यह उपेक्षा ठीक नहीं है।

**MR SPEAKER:** Order please. I am passing on to the next item. No more interruptions.

**श्री विनेन भट्टाचार्य (सीरमपुर) खाली** हिन्दी में नहीं एग्जिस्ट का बगला और उद्बन्धनाद भी देना चाहिए, जिसमें बगला देश और पाकिस्तान के लोग भी उसको पढ सके (ध्यक्षमान) सब भाषाओं में देना चाहिए।

**श्री बटल बिहारी बाजपेयी :** और भाषाओं में भी दिया जाए हमें एनराज नहीं है लेकिन जब तक यहाँ हिन्दी का बात नहीं आई तब तक भारतीय भाषाओं के ये प्रेमी चुप बैठेंगे। (ध्यक्षमान)

**श्री एम. एन. का अजाय (भागलपुर)** बगला और दूसरी भाषाओं में भी उसका अनुवाद होना चाहिए। वह देश की प्रथम राजभाषा। (ध्यक्षमान)

**श्री विनेन भट्टाचार्य** बगला देश की राजभाषा बगला है। बगला में उसका अनुवाद जरूर होना चाहिए। (ध्यक्षमान)

**श्री मधु लिवये अध्यक्ष महोदय (सीरमपुरी)** दूखी भाषाओं में भी उसका अनुवाद होना चाहिए। लेकिन हिन्दी में अनुवाद जरूर होना चाहिए।

**MR. SPEAKER:** Please sit down. We must have the proceedings televised! The people must see what you are doing; how are you behaving in this Parliament. People should also see; the whole country should see it.

मैं चाहता हूँ कि हाउस की कार्यवाही को टेलीवाइज किया जाए ताकि बाहर लोग यह जज कर सकें की हम वैसे इम हाउस का काम चलाते हैं।

**श्री मधु लिवये अध्यक्ष महोदय** नामकद में श्री लालबहादुर शास्त्री ने प्रोजिडेंट अयूब से हिन्दुस्तानी उर्दू में बातचीत की थी। इस लिए समझौता के हिन्दी अनुवाद की मांग बिल्कुल जाइज है।

13 hrs

**SHRI P G MAVALANKAR (Ahmedabad)** I want to raise a point of order on what has been going on for the last half an hour

**MR. SPEAKER** You are making a submission. If you want to make a submission, it is all right. But if you want to raise a point of order, I must know on what business

**SHRI P G MAVALANKAR** I want to make a most respectful submission to you regarding the order or the House. For the last several months I have been finding that some of us give notices under rule 377 and strictly go by procedure and when we are not permitted we abide by your ruling; we do not get up even once.

**MR. SPEAKER:** 377 is not a right. I am not going to allow 377 all the

time. Please do not make it part of daily routine. Whatever is important, I allow. Do not ask for it as a matter of right.

**SHRI P. G. MAVALANKAR:** I am on a different point. We abide by your ruling. But several Members of the House, inspite of your ruling on a particular matter, take it up and are even supported by their leaders. Even when you are not permitting some Members, they get up and defy your authority and ultimately you give them permission.

**MR. SPEAKER:** You are also doing the same.

**SHRI P. G. MAVALANKAR:** Their leaders also plead for them and ultimately you give in. But what happens to people like us? We are not supported by any party. If you disallow something, you should not allow anybody to bring up that matter. Otherwise, people who defy your authority on the floor of the House, who shout and defy you get permission ultimately, while we sit silent, abiding by your ruling.

**MR. SPEAKER:** May I know you are doing now? I find only two solutions to your point of order. One is: I shall call you every morning and I will place all the 377s, call attention, etc. before you and accept your advice, which of them to admit. Secondly, I will nominate you on the Panel of Chairmen and see how you behave differently from me; then I will learn from you new standards. That will give me a barometer as to how far you are able to keep up the great traditions set up by your illustrious father. I will have to nominate you and put you in the Chair. I wonder if you yourself will be able to do it or not; I shall stand to learn from you.

**SHRI PILOO MODY:** On the point made by Shri Vajpayee, he wanted a translation of the Treaty or accord or whatever it is that we have signed. Last time when the Indo-Soviet

Treaty was signed, the Hindi translation was made in Moscow by Russians, and not in Delhi by Indians. I would like to know from Mr. Vajpayee whether he wants a translation this time from Islamabad or from Delhi?

**SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE:** Shall I reply to it?

**MR. SPEAKER:** I think we should not go into this controversy. Leave it to me. I will do it.

**SHRI PILOO MODY:** We want it in Hindi, not in Gurmukhi.

**MR. SPEAKER:** I am going to buy that dictionary whichever Madhu Limaye uses.

13.05 hrs

**CODE OF CRIMINAL PROCEDURE BILL—Contd.**

**MR. SPEAKER:** We shall now take up further consideration of the Code of Criminal Procedure Bill.

Shri M. C. Daga.

श्री मूल चन्द्र डागा (पाली): अध्यक्ष महोदय, 1973 के अन्दर सी० आर०पी०सी० में आपने जो सशोधन किये हैं, उनके बाद भी आज पुलिस अधिकारी किसी भी आदमी को पकड़ सकता है, कितने घंटों तक अपनी पुलिस 1 स्टडी में रख सकता है, संवत् 109 आज भी उस में मौजूद है। उस मैसन के अन्तर्गत निर्मा भी आदमी को सम्पीगम सर्कमस्टान्सेज में पकड़ने वा पश्चिात पुलिस अधिकारी को दिया गया है।

आप इस बात के लिए दावा करेंगे कि सी०आर०पी०सी० में आप ने सशोधन कर लिये हैं, लेकिन मैं इस में कुछ ऐसी बात, बुनियादी बातें चाहता हूँ जिससे गरीब